SET – 4

Series : HRK/NSQF/C

कोड नं.
Code No. **503**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT - II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घंटे | *अधिकतम अंक : 90*
Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – **क, ख, ग** और **घ** ।*

(ii) *चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

धनिक व्यक्ति हो या निर्धन हो, पढ़ा लिखा हो या अनपढ़ हो अथवा स्वरोजगार हो या वित्तोपार्जन हेतु पराश्रित वेतन-भोगी हो – सबके जीवन में कभी न कभी ऐसा अवसर जरूर आता है जब उसके द्वारा खर्चे के लिए रखी हुई पूँजी यकायक समाप्त हो जाती है और उसके दोनों हाथ जीवन-यापन हेतु खर्चे के लिए खाली हो जाते हैं । ऐसे में उन्हें पैसा बचत करने की जरूरत महसूस होती है । अपने तमाम खर्चों से बचाया हुआ तथा किसी विशिष्ट जरूरत के लिए संरक्षित किया हुआ धन इसी श्रेणी में आता है । इस राशि का उद्देश्य समय-असमय काम निकालना माना जाता है । कुसमय का साथी भी इसे ही माना जाता है ।

वैसे भी समाज में बुरे अनुभवों को भोगने के बाद इस धन के संरक्षण पर जोर दिया जाता है । इसकी आवश्यकता कहीं भी पड़ सकती है । बीमारियों के उपचार हेतु खर्चों के लिए, अपनी आर्थिक क्षमता से ज्यादा बड़े काम के लिए और अनकहे किसी भी संकट का सामना करने के लिए उक्त धन का प्रयोग 'डूबते को तिनके का सहारा' सिद्ध होता है । वर्तमान में एकल परिवारों की व्यवस्था में इसका महत्त्व और अधिक बढ़ जाता है । इसके सहयोग से व्यक्ति को छोटी-छोटी आर्थिक सहायता के लिए किसी के सामने अपना हाथ नहीं फैलाना पड़ता ।

(i) 'संचित पूँजी' का आशय है –
- (क) बचाया हुआ धन
- (ख) व्यापार में लगी पूँजी
- (ग) घर में छुपी पूँजी
- (घ) साफ-सुधरा

(ii) 'जीवन-यापन' का अर्थ है –
- (क) जीवन में आनन्द भरना
- (ख) जीवन बर्बाद करना
- (ग) जीवन को सजाना
- (घ) जीवन बिताना

(iii) उपर्युक्त गद्यांश में कौन-से धन की बात की गई है ?
- (क) बैंक में जमा किया हुआ ।
- (ख) उधार दिया हुआ ।
- (ग) व्यापार में लगाया हुआ ।
- (घ) घर में बचाकर रखा हुआ ।

(iv) उपर्युक्त गद्यांश में 'बुरे समय' के अर्थ में कौन-सा शब्द आया है ?
- (क) संरक्षित
- (ख) कुसमय
- (ग) संचित
- (घ) पराश्रित

(v) 'डूबते को तिनके का सहारा' से क्या अभिप्राय है ?
- (क) डूबते को बचना
- (ख) तिनके को सहारा समझना
- (ग) विपत्ति में थोड़ा-सा धन भी सहायक
- (घ) तिनके का बार-बार डूबना

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

मानव जीवन में ही नहीं अपितु इस पृथ्वी पर सभी प्राणियों व वनस्पतियों के लिए जल का बड़ा महत्त्व है । बिना जल के इन सबका अस्तित्व नगण्य-सा ही है । जिस तरह पेड़-पौधे तथा सभी प्रकार की वनस्पतियों के विकास में प्रकाश, हवा व जल का संयोग महत्त्वपूर्ण होता है, उसी तरह जलचर प्राणियों, थलचर पशुओं व मानव योनि के विकास में अन्न, जल, फल-फूल, शाक-पत्तों का बड़ा महत्त्व है । इन सब में एक तत्त्व ऐसा है जो सभी के अस्तित्व के लिए नितांत आवश्यक है, वह है – जल । भोजन के बिना कोई भी व्यक्ति कुछ सप्ताह या कुछ दिन जीवित रह सकता है परन्तु पानी के बिना यह असंभव है । इसीलिए जल को जीवन माना जाता है । वैसे भी एक युवा व्यक्ति के अन्दर लगभग 70% जल होता है । ऐसी स्थिति में जल का महत्त्व अन्य आहारों की अपेक्षा कहीं ज्यादा बढ़ जाता है ।

जल से प्राणियों को अधिक मात्रा में ऑक्सीजन प्राप्त होती है । यह ऑक्सीजन ही किसी भी तनधारी के लिए जीवन होती है । इसलिए हमें जल का महत्त्व समझकर संचय करना चाहिए । कुछ क्षेत्रों में विशेष कर राजस्थान में जल-संचय करने की परंपरा बनी हुई है । ग्रीष्म-ऋतु की भीषण तपन में, जब पानी की परेशानी होती है, तब इस विधि से जल की प्राप्ति सहजता से हो जाती है ।

(i) हमें किसका संचय करना चाहिए ?

(क) धन का (ख) भोजन का

(ग) जल का (घ) उपभोग की वस्तुओं का

(ii) आहार का अर्थ है –

(क) भोजन (ख) व्रत करना

(ग) पानी पीना (घ) संयम से रहना

(iii) राजस्थान में पानी के लिए क्या किया जाता है ?

(क) जल-संचय विधि अपनाई जाती है ।

(ख) कुँए खोदे जाते हैं ।

(ग) टैंकरों से पानी मँगाया जाता है ।

(घ) तालाबों के भरोसे रहा जाता है ।

(iv) देहधारी प्राणियों के लिए नितांत आवश्यक है –

(क) परिवार (ख) ऑक्सीजन

(ग) धन (घ) विद्या

(v) ऑक्सीजन का मुख्य स्रोत है –

(क) मिट्टी (ख) फल

(ग) प्राणी (घ) पानी

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

जोश में आकर चला तो,
आ गए बंधन निराले ।
पथ मुझे दुर्गम मिले नित,
पड़ गए पैरों में छाले ।

क्यों कहूँ मैं दुष्प्रथा को,
नव जगत की चेतना ।
वक़्त की है अब जरूरत,
पूर्व-पथ को भेदना ।
साथ आने को कहा तो,
कह रहे हिम्मत बढ़ा ले ।।

लोक-परिपाटी सदा से,
मन-हठीली ही रही है ।
जो उसे अच्छा लगा है,
बात वह सबसे कही है ।
कुछ नया करने लगा तो,
मार्ग में पत्थर हैं डाले ।।

तिमिर है फैला विषैला
ज्ञान-सूरज ढँक गया ।
भेद नर-नर में करें जो,
कह रहे इसको दया ।
दीन-दुखियों की खुशी को,
लग गए दुर्भाग्य ताले ।।

(i) वर्तमान जगत की सोच का आधार है –
- (क) नई परंपरा
- (ख) पुरातन प्रथा
- (ग) रुढ़िवादी विचारधारा
- (घ) अंधविश्वास

(ii) लोक-परिपाटी से क्या आशय है ?
- (क) लोक-मान्यताएँ
- (ख) लोगों के विचार
- (ग) पुरातन इतिहास
- (घ) व्यर्थ की बातें

(iii) अब वक़्त की माँग क्या है ?
- (क) विज्ञान को अपनाना
- (ख) अधिक धन कमाना
- (ग) अधिक शिक्षित होना
- (घ) पुरातन मान्यताओं को दूर करना

(iv) पूर्व-पथ का अर्थ है
- (क) पूरब में जाने का रास्ता
- (ख) जो पहले चलने वाला है ।
- (ग) पुराने मार्ग
- (घ) पुराने से पुराना

(v) 'ज्ञान-सूरज' में समास है –
- (क) अव्ययीभाव
- (ख) कर्मधारय
- (ग) तत्पुरुष
- (घ) द्वंद्व

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1 × 5 = 5**

दिवास्वप्न है दुखदाई, सब काम करो, सब काम करो ।
नित आलस के करने से, नर कर्म-सुमन मुर्झाता है,
जड़ता आती जीवन में, निज मन को अति भरमाता है ।
सकल पदारथ से वंचित, उपभोग जगत के खोता है,
अंत समय में पछताता, तब पकड़ शीश को रोता है ।
ध्यान रखो मेरी बातें, मेहनत से अपना नाम करो ।।

भाग्य-भरोसे रहकर ही, किस नर ने सुख जग में पाया,
झुठलाया नर-जन्म यहाँ, धोखा भी खुद से ही खाया ।
भूख पाप की है जननी, आलस तन-रिपु कहलाता है,
दीन-दुखी रहकर नित रोता, स्वप्न देख बहलाता है ।
उन्नत भाल सुयश से होता, श्रम से वह यश मिल जाता,
करके कर्म बुराई वाले, मत खुद को बदनाम करो ।।

(i) 'कर्म-सुमन' में समास है

(क) तत्पुरुष (ख) कर्मधारय

(ग) द्विगु (घ) द्वंद्व

(ii) क्या करने से अपयश मिलता है ?

(क) बुरे कर्म (ख) महान कर्म

(ग) राजनीति (घ) समाज सेवा

(iii) ऊँचा मस्तक किससे होता है ?

(क) यश प्राप्त होने से (ख) धन से

(ग) अच्छे पद से (घ) बड़े खानदान से

(iv) भूख को पाप की जननी क्यों कहा है ?

(क) भूख के लिए व्यक्ति अन्य प्राणियों को मार देता है ।

(ख) भूख पापों को फैलाती है ।

(ग) भूख में व्यक्ति गिड़गिड़ाने लगता है ।

(घ) भूख सब रोगों की जड़ है ।

(v) उपर्युक्त काव्यांश में 'उन्नत भाल' का अर्थ है

(क) ऊँचा माथा (ख) बड़ा नाम

(ग) संसार की सफलता (घ) यश मिलना

खण्ड – ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : **1 × 3 = 3**
   (क) राम ने पुस्तक पढ़कर अपने मित्र को दे दी । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
   (ख) घर पहुँचते ही श्याम सो गया । (मिश्र वाक्य में बदलिए)
   (ग) जैसे ही छात्र विद्यालय गया पढ़ने लगा । (सरल वाक्य में बदलिए)

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : **1 × 4 = 4**
   (क) मज़दूरों द्वारा गड्ढा खोदा जा रहा है । (कर्तृवाच्य में बदलिए)
   (ख) वह कारीगरों को निर्देश देता है । (कर्मवाच्य में बदलिए)
   (ग) बीमार व्यक्ति चल सकता है । (वाच्य भेद बताइए)
   (घ) अब सोते हैं । (भाववाच्य में बदलिए)

7. निम्नलिखित रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : **1 × 4 = 4**
   (क) इस जमाने में सब कुछ चलता है ।
   (ख) बीमार व्यक्ति धीरे-धीरे टहलता है ।
   (ग) कल मैं विद्यालय नहीं गया था ।
   (घ) बालक ने दूध पिया ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1 × 4 = 4**
   (क) विभाव किसे कहते हैं ?
   (ख) विभाव के कौन से भेद हैं ?
   (ग) विस्मय किस रस का स्थायीभाव है ?
   (घ) श्रृंगार का स्थायीभाव क्या है ?

खण्ड – ग

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 + 2 + 1 = 5**

   पढ़ने-लिखने में स्वयं कोई बात ऐसी नहीं जिससे अनर्थ हो सके । अनर्थ का बीज उसमें हरगिज़ नहीं । अनर्थ पुरुषों से भी होते हैं । अपढ़ों और पढ़े-लिखों, दोनों से । अनर्थ, दुराचार और पापाचार के कारण और ही होते हैं और वे व्यक्ति-विशेष का चाल-चलन देखकर जाने भी जा सकते हैं । अतएव स्त्रियों को अवश्य पढ़ाना चाहिए ।

   जो लोग यह कहते हैं कि पुराने ज़माने में यहाँ स्त्रियाँ न पढ़ती थीं अथवा उन्हें पढ़ने की मुमानियत थी वे या तो इतिहास से अभिज्ञता नहीं रखते या जान-बूझकर लोगों को धोखा देते हैं । समाज की दृष्टि में ऐसे लोग दंडनीय हैं ।

   (क) कौन से लोग दंड पाने के अधिकारी हैं ?
   (ख) लेखक किस बात में अनर्थ नहीं मानता ?
   (ग) क्या करने से पापाचार नहीं होता ?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 5 = 10**

(क) लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा ?

(ग) स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं – कुतर्कवादियों की इस दलील का खण्डन द्विवेदीजी ने कैसे किया है ?

(घ) तब की शिक्षा प्रणाली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है ?

11. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 + 1 = 5**

कौसिक सुनहु मंद यहु बालकु । कुटिल कालबस निज कुल घालकु ।।
भानु बंस राकेस कलंकू । निपट निरंकुस अबुध असंकू ।।
काल कवलु होइहि छन माहीं । कहउँ पुकारि खोरि मोहि नाहीं ।।
तुम्ह हटकहु जौं चहहु उबारा । कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ।।

(क) परशुराम ने विश्वामित्र जी से क्या कहा ?

(ख) परशुराम ऐसा क्या चाहते हैं, जिसके करने के बाद उन्हें दोष न देने के लिए कहते हैं ?

(ग) 'मंद यहु बालकु' में 'यहु' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 5 = 10**

(क) शूरवीर क्या करके अपनी वीरता दिखाते हैं ?

(ख) लक्ष्मण और परशुराम के मध्य झगड़ा बढ़ता देखकर राम ने क्या किया ?

(ग) परशुराम लक्ष्मण को अपने बारे में क्या-क्या बताते हैं ?

(घ) माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी ?

(ङ) संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है ?

13. परिश्रम के बल पर व्यक्ति कठिन से कठिन लक्ष्य को भी सहजता से प्राप्त कर लेता है । 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर इस कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए । **5**

खण्ड – घ

14. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **250** शब्दों में निबंध लिखिए : **10**

(क) व्यायाम

- परिचय
- व्यायाम के प्रकार
- व्यायाम से लाभ
- उपसंहार

(ख) मोबाइल फोन का महत्त्व

- भूमिका
- मोबाइल की जानकारी व परिचय
- फोन की जरूरत
- उपसंहार

(ग) परिश्रमः सफलता का आधार

- भूमिका
- सफलता का मूलमंत्र
- परिश्रम के उदाहरण
- उपसंहार

15. आपके क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराधों की रोकथाम के लिए सिविल क्षेत्र पुलिस स्टेशन के थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

घर पर आए हुए मेहमान की खातिरदारी कैसे की जाए, इसकी जानकारी पत्र द्वारा मित्र को दीजिए ।

16. निम्नलिखित अनुच्छेद का सार लगभग 35 शब्दों में लिखिए और शीर्षक भी दीजिए : **5**

साफ–सफाई जीवन का अभिन्न अंग है । यह कार्य व्यक्ति को किसी दूसरे के कहने पर नहीं अपितु स्वयं की जरूरत के आधार पर करना चाहिए । व्यक्ति के दैनिक कार्यों में जिस तरह भोजन करना तथा अन्य कार्य सम्मिलित होते हैं उसी तरह ही नित्य शारीरिक स्वच्छता भी जरूरी है । व्यक्तिगत सफाई में नहाना–धोना, मंजन करना, नाखून काटना आदि आता है और बाहर की सफाई में घर की सफाई व घर से बाहर की सफाई आती है । सफाई रखने से परस्पर संक्रमण नहीं फैलता तथा दैहिक बीमारियों से बचाव भी हो जाता है । साफ–सफाई रखना हम सभी का नैतिक कर्त्तव्य है । इसलिए इसके विषय में सदा जागरूक रहना चाहिए ।